91,457 करोड़ से बदलेगा तकनीकी परिदृश्य

- आइटी व आइटीईएस की 60 परियोजनाओं की रखी जाएगी आधारशिला
- 81,424 लोगों को मिलेगा रोजगार, आइटी सेक्टर के लिए 5.29 लाख करोड़ के एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर के प्रमुख गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहे उत्तर प्रदेश में इस क्षेत्र विशेष से जुड़ी कई दिग्गज कंपनियां बड़ा निवेश कर रही हैं। इस कड़ी में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी। 19 फरवरी को 91,456.89 करोड़ रुपये के निवेश से 60 मेगा परियोजनाओं के शिलान्यास व शुभारंभ की तैयारी है। इन परियोजनाओं के मूर्त रूप लेने से 81,424 लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। फरवरी, 2023 में आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आइटी व इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र के लिए 5,29,472.52 करोड़ रुपये के 321 एमओयू हुए थे।

आइटी एवं आइटीईएस विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बड़े निवेश प्रस्तावों में नोएडा डेटा सेंटर पार्क भी शामिल है, जिसे एनआइडीपी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के लिए गौतम बुद्ध नगर में ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 20 एकड़ भूमि की व्यवस्था की है। 30,000 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही इस परियोजना 2,100 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

टीएआरक्यू सेमीकंडक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित एक और बड़ी परियोजना गौतमबुद्ध नगर में, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र (यीडा) में स्थापित की जा रही है। कंपनी 28,440 करोड़ रुपये के निवेश के साथ इंटीग्रेटेड कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स का निर्माण करेगी। इस परियोजना से करीब एक हजार लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा सिफी इंफिनिट स्पेस लिमिटेड दो परियोजनाओं की स्थापना करेगा, जिनका कुल निवेश 19,000 करोड़ रुपये होगा। इनमें से एक परियोजना न्यू ऐज हारिजांटल डाटा सेंटर की होगी, जिसमें 11,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा, जबकि दूसरी परियोजना डाटा सेंटर क्षेत्र में महत्वपूर्ण आइटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करेगा, जिसकी निवेश लागत आठ हजार करोड़ रुपये होगी। ये दोनों परियोजनाएं गौतम बुद्ध नगर में आ रही हैं और प्रत्येक से 300 लोगों को रोजगार मिलेगा।

आइटी सेक्टर की अधिकांश परियोजनाएं नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, मथुरा तथा आगरा में संचालित हो रही हैं। कुछ प्रमुख परियोजनाएं लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, बस्ती एवं बाराबंकी जैसे क्षेत्रों को भी औद्योगिक दृष्टि से सुदृढ़ करेंगी।